www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 09 अगस्त, 2010 • अंक-46 • वर्ष-3

पटना मे भेटल उज्जर कौवा

एहि माह पारित भ सकैत अछि नालंदा विधेयक

नई दिल्ली। बिहार क विश्वविख्यात नालंदा विश्वविद्यालय कए नव सिरा स जीवित करबा लेल शुरू भेल कवायद क बीच दिल्ली मे मेंटर ग्रुप क बैठक भेल। बैठक मे मेंटर ग्रुप क अध्यक्ष अमर्त्य सेन आ दोसर सदस्य समेत विदेश मंत्री एसएम कृष्णा आ बिहार क मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सेहो हिस्सा लेलथि।

दिल्ली क हैदराबाद हाउस मे नालंदा विश्वविद्यालय कए नव रूप देबा पर चर्चा भेल। कृष्णा बैठक मे कहला जे केंद्र सरकार एहि संसदीय सत्र मे नालंदा विश्वविद्यालय विधेयक पेश करत। ओ बिहार सरकार क सक्रियता क प्रशंसा करैत कहला जे राज्य सरकार एहि विश्वविद्यालय क लेल 446 एकड़ क जमीन मुफ्त उपलब्ध करा रहल अछि। अमर्त्य सेन सेहो विश्वविद्यालय क स्थापना क दिशा मे भ रहल काज पर संतोष जाहिर करैत कहला जे इ अनूठा विश्वविद्यालय होएत। ओ कहला जे विश्व क दोसर विश्वविद्यालय स संपर्क जरूरी होएत। ओ पुरान सभ्यता पर आधारित अन्य विश्वविद्यालय जेना बेलोनिया आदि स तुलना करैत कहला जे एहि विश्वविद्यालय स संबंध स्थापित करबाक चाही, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आशा जतेलाह जे केंद्र सरकार एहि विधेयक कए जल्द स जल्द संसद स पारित करवा लेत। ओ सुझाव देलथि

जे इ सुनिश्चित हेबाक चाही जे विधेयक स्थायी समिति क विचारार्थ नहि जाए। जवाब मे कृष्णा आश्वासन देलथि जे विधेयक अगस्त मे पारित भ जाएत। नीतीश इ सेहो आग्रह केलथि जे गवर्निंग बॉडी बनबा तक मेंटर ग्रुप बरकार रहबाक चाही आ इ ग्रुप दिशा-निर्देशित करे। नीतीश कुमार कहला जे इ सुनिश्चित होबाक चाही जे विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय भेलाक संग-संग स्थानीय लोक स समन्वय स्थापित करि सकए।

बैठक मे सिंगापुर क विदेश मंत्री जार्ज यो, बीजिंग विश्वविद्यालय क प्रो. वांग बैंगवी, हारवर्ड विश्वविद्यालय क प्रो. सुगाता बोस, लार्ड मेघनाद देसाई, राज्यसभा सदस्य एनके सिंह आदि गणमान्य व्यक्ति शामिल भेलाह।

डॉ सबरवाल पहिल कुलपति नियुक्त

नई दिल्ली। नालंदा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय क पहिल कुलपति लेडी श्रीराम कॉलेज मे समाज शास्त्र क प्रोफेसर डॉ गोपा सबरवाल कए बनाउल गेल अछि। हुनकर कहब अछि जे इ बहुत रोचक हेबाक संग-संग बहुत जिम्मेदारी बाला काज अछि। ओ कहला- हमर प्राथमिक काज नालंदा मैंटर समूह जे रुपरेखा सोचलक अछि ओकरा सच्चाई मे तब्दील करब अछि। संगहि इ हमरा लेल सौभाग्य क गप अछि जे हम एहन प्रतिभावान लोक क मार्गदर्शन पर काज करब। ज्ञात हुए जे नालंदा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय क पहिल विजिटर पूर्व राष्टपति एपीजे अब्दुल कलाम कए बनाउल गेल अछि।

नालंदा कए पुनर्जीवन आब दूर नहि : अमर्त्य सेन

नई दिल्ली। बौद्ध दर्शन क गढ़ आ कहियो दुनिया मे ज्ञान-विज्ञान क सबस पैघे केन्द्र रहल नालंदा विश्वविद्यालय कए पुनर्जीवित करबाक प्रयास अंतिम चरण में अछि। पंद्रह सौ साल पहिने स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय कए पुर्नजीवित करबा लेल नालंदा संरक्षक समूह बैठकक बाद समूह क अध्यक्ष, नोबल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर अमर्त्य सेन कहला- हमसब तीन साल स एहि मुद्दा पर विचार-विमर्श करि रहल छी आ आब हम अंतिम निर्णय लेबाक स्थिति मे छी जे विश्वविद्यालय मे विभाग कौन-कौन होएत आ राजगीर लग जतए पुरना विश्वविद्यालय छल, एकरा ओतहि स्थापित कैल जाएत। एहि विश्वविद्यालय मे एहन कईटा विशेषता होएत, जाहि स दुनिया भरिक छात्र एहि ठाम पढ़बा लेल आउत। बिहार सरकार क प्रशंसा करैत सेन कहला जे राज्य सरकार एहि मामला मे सक्रिय भूमिका निभा रहल अछि आ एकरा लेल ज़मीन अधिग्रहण सेहो करि लेल गेल अछि। सेन कहला जे नालंदा क पुस्तकालय कए सेहो पुनर्जीवित कैल जाएत। विश्वविद्यालय क संरक्षक समूह क अध्यक्ष आ नोबेल पुरस्कार स सम्मानित अमर्त्य सेन कहला जे समूह क कोशिश विश्वविद्यालय क लेल धन इकट्ठा करब सेहो अछि। समूह पूरा दुनिया स आर्थिक सहयोग क अपेक्षा करि रहल अछि, बशर्ते वो काला धन नहि हुए। सेन कहला जे एहि संदर्भ मे चीन क भूमिका अहम अछि। चीन पूर्वी एशियाई देश क सम्मेलन क सदस्य सेहो अछि आओर एहि तरह स एहि विश्वविद्यालय क संस्थापक सदस्य सेहो अछि। ओ कहला-चीन स हम सहयोग क उम्मीद करैत छी। सेन कहा-दुनिया क इतिहास मे विश्वविद्यालय हमर सबस पैघ बौद्धिक धरोहर छल। नालंदा संरक्षक समूह क गठन वर्ष 2007 मे कैल गेल छल, जेकर अध्यक्ष सेन कए चुनल गेल छल। सेन शैक्षणिक संस्थान निर्माण कए लकए एकटा ठोस संरचना तैयार केलथि अछि। जाहि स प्राचीन समय क भांति वैश्विक स्तर पर छात्र एहि ठाम अध्ययन क लेल आकर्षित भ सकत।

विश्वविद्यालय क स्थापना लेल आर्थिक मदद देत सिंगापुर

नई दिल्ली। सिंगापुर के विदेश मंत्री जॉर्ज यो क कहब अछि जे नालंदा विश्वविद्यालय क स्थापना गूंज पूरा विश्व मे सुनाई द रहल अछि। पिछला साल भेल पूर्वी एशियाई देश क शिखर बैठक मे भारत क एहि पहल क स्वागत सब देश केने छल। ओ कहला-एशिया मे जे एहि परियोजना क बारे मे सुनैत अछि ओकर दिल क धड़कन तेज़ भ जाइत अछि। एक बेर जखन एकर रुपरेखा तैयार भ जाएत त ओहि नवका एशिया मे हमर सेहो योगदान होएत जे एखन बनि रहल अछि। ओ कहला जे सिंगापुर क बौद्ध संगठन प्रस्तावित नालंदा विश्वविद्यालय मे एकटा पुस्कालय बनेबा लेल तकरीबन 50 लाख स एक करो़ड डॉलर तक देबा क पेशकश केलक अछि। इ एकटा अनुकरणीय उदाहरण अछि। ओ कहला जे विश्वविद्यालय क लेल

संरक्षक समूह सार्वजनिक और निजी क्षेत्र स वित्तीय मदद लेबा पर नजरि रखने अछि। विश्वविद्यालय क निर्माण मे अनुमानित 1,005 करो़ड टका क लागत आउत।डॉ सबरवाल नालंदा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय क पहिल कुलपति नियुक्त

28टा जिला सूखाग्रस्त घोषित

गया, जहानाबाद, औरंगाबाद, अरवल, नवादा, पटना, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, मुंगेर, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बेगूसराय, भागलपुर, बांका, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढी, शिवहर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, मधुबनी, समस्तीपुर आ दरभंगा कए सूखाग्रस्त घोषित करि देलक अछि।

पटना । बिहार सरकार राज्य 28टा जिला कए सूखाग्रस्त घोषित करि देलक अछि। राज्य मंत्रिमंडल क बैठक क बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहला जे प्रदेश क जाहि 28टा जिला कए सूखाग्रस्त घोषित कैल गेल अछि ओहि ठाम क स्थिति स संबंधित एकटा प्रस्ताव तैयार करि आर्थिक सहायता क लेल प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह कए ज्ञापन सौंपल जाएत। मंत्रिमंडल सचिवालय समन्वय विभाग क प्रधान सचिव अफज़ल अमानुल्ला कहला जे मंत्रिमंडल गया, जहानाबाद, औरंगाबाद, अरवल, नवादा, पटना, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, मुंगेर, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, बेगूसराय, भागलपुर, बांका, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढी, शिवहर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, मधुबनी, समस्तीपुर आ दरभंगा कए सूखाग्रस्त घोषित करि देलक अछि। ओ कहला जे प्रदेश क शेष 10टा जिल क निरंतर समीक्षा कैल जाएत आओर आवश्यकतानुसार अन्य जिला कए सेहो सूखाग्रस्त घोषित कैल जा सकैत अछि। अमानुल्लाह कहला जे प्रदेश मे मानसून क दयनीय स्थिति क कारण खरीफ फसल खासतौर स धान क रोपनी लक्ष्य स बहुत कम भेल अछि।

एहि अवसर पर आपदा प्रबंधन विभाग क प्रधान सचिव व्यास जी कहला जे सूखाग्रस्त घोषित जिला मे सुखाड स निपटबा लेल आपदा राहत निधि (सीआरएफ), राज्य आपदा रिस्पांस कोष (एसडीआरएफ) आ राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक निधि (एनसीसीएफ) अथवा राष्ट्रीय आपदा रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) स देल जाइवाला सहायता क प्रावधान तत्काल प्रभाव स लागू भ गेल अछि। ओ कहला जे अधिसूचित जिला मे किसान स सहकारिता ऋण, राजस्व लगान आ सेस, पटवन शुल्क, विद्युत शुल्क जे सीधा कृषि स संबंधित अछि, तेकर वसूली वित्तीय वर्ष 2010-11 क लेल नहि होएत।

मुजफ्फरपुर मे बिछत नाली क जाल

मुजफ्फरपुर । काफी समय स जलजमाव क पीड़ा झेल रहल शहरवासी क लेल राहत भरल समाद अछि। शहर क लेल जल-मल निकासी क नव योजना पर तेजी स काम भ रहल अछि। नक्शा तैयार अछि आ भू-अधिग्रहण क औपचारिकता पूरा करबाक कवायद शुरू भ गेल अछि। एहि स शहर कए जलजमाव स राहत भेटबाक उम्मीद अछि। दरअसल, तीन दशक पूर्व बनल जल निकासी क योजना शहर क विस्तार आ आबादी आ मकान क संख्या बढ़बाक कारण अक्षम साबित भ रहल अछि। बिहार शहरी विकास कार्यक्रम क तहत नव योजना तैयार करि आगू क कार्रवाई क लेल सरकार आ निगम प्रशासन कए सौंप देल गेल अछि।

की अछि योजना: पटना क संस्था जीएचके कंसल्टिंग लिमिटेड एहि योजना क खाका तैयार केलक अछि। एहि मे सीवरेज प्रणाली क लेल तीन स्तर पर व्यवस्था कैल गेल अछि। शहर मे नाली क जाल बिछेबाक लेल सीवरेज नेटवर्क बनेबाक प्रस्ताव अछि। शहर मे कुल पांच सीवरेज पंपिंग स्टेशन क संग एकटा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट सेहो बनाउल जाएत। योजना क मुताबिक बालूघाट, रेलवे स्टेशन क लग मे, बैरिया, खबड़ा क लग आ मिठनपुरा मे पंपिंग स्टेशन बनाउल जाएत। संगहि खबड़ा क लग फरदो नदी स लगैत इलाका मे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगेबाक योजना अछि। ट्रीटमेंट प्लांट क लेल दस हेक्टेयर जमीन क आवश्यकता अछि, जखनकि हर पंपिंग स्टेशन क लेल 25 मीटर चौड़ा आ 30 मीटर लंबा भूखंड क आवश्यकता होएत।

कांग्रेस नेता ज्योति भरती हर्जाना!

बिहार मे एहन कोशिश आइ धरि नहि भेल छल। परिषद क इतिहास मे पहिल उदाहरण अछि, जखन कोनो सदस्य स सार्वजनिक संपत्ति कए क्षति पहुंचेबा क एवज मे जुर्माना वसूलबाक तैयारी भ रहल अछि। इ आम लोक क लेल सेहो नसीहत अछि।

पटना। इ बहुचर्चित गमलातोड़ राजनीति क दोसर भाग अछि। अगर बिहार विधान परिषद क सभापति ताराकांत झा अपन कवायद मे कामयाब रहला, त एहि दोसर भाग मे कांग्रेस क विधान परिषद सदस्य डा ज्योति क ब्लड प्रेशर नॉर्मल रहत आ ओ शांति क संग अपन ऊपर लगाउल गेल जुर्माना भरी देतीह। हालांकि एखन धरि इ तय नहि भेल अछि जे गमला तोडबा लेल हुनका केतबा टका चुकेबाक अछि? हां, परिषद सचिवालय क लग मे हुनकर द्वारा तोड़ल गेल गमला क गिनती जरूर अछि। परिषद क सभापति उद्यान निदेशक स मुख्य द्वार क समीप तोड़ल गेल गमला आ नष्ट पौधा क मूल्य क रिपोर्ट मंगलथि अछि। एकर बाद डॉ ज्योति स हर्जाना देबा लेल कहल जाएत। एहि स पूर्व हुनका अपन पक्ष रखबाक पूरा मौका सेहो भेटत। सभापति साक्ष्य क तौर पर ओहि तस्वीर कए रखलाह अछि जाहि मे ओ गमला कए उठाकए फेंकैत, पटकैत देखा रहल छथि। दुनिया भरि मे इ दृश्य सजीव प्रसारित भेल छल आ बिहार क नेताक संग-संग राज्य क छवि धुमिल भेल छल। जानकार कहैत छथि जे बिहार मे एहन कोशिश आइ धरि नहि भेल छल। परिषद क इतिहास मे पहिल उदाहरण अछि, जखन कोनो सदस्य स सार्वजनिक संपत्ति कए क्षति पहुंचेबा क एवज मे जुर्माना वसूलबाक तैयारी भ रहल अछि। इ आम लोक क लेल सेहो नसीहत अछि।

नगर सेवा मे चलत एसी बस

पटना। मेट्रो क तर्ज पर आब पटना मे सेहो नगर सेवा क अधीन एसी बस क परिचालन होएत। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार क बैठक मे एकरा हरी झंडी द देल गेल। प्राधिकार क बैठक मे परमिट क 196 मामल क सुनवाई भेल। स्थायी परमिट क जाहि मामला पर विचार भेल, ओहि मे 117टा मामला मे कोनो आपत्ति नहि आयल। एहि लेल हुनका परमिट जारी करबाक निर्देश द दे गेल। जाहि 79 मामला मे आपत्ति आयल, हुनकर सुनवाई भेल। नगर सेवा क चारि बस कए सेहो परमिट जारी कैल गेल अछि। तय भेल अछि जे लोग नगर सेवा मे एसी बस क परिचालन करए चाहैत छथि, हुनका प्राथमिकता देल जाएत। तय भेल जे पब्लिक ट्रांसपोर्ट क तमाम गाड़ी, जेकर बैस 10 साल या ओहि स बेसी भ चुकल अछि ओकर एमवीआई स जांच कराउल जाए। जे जर्जर भ चुकल अछि ओकरा परिचालन स बाहर कैल जाए। प्राधिकार क बैठक मे नगर सेवा क नव रूट पर विचार करबाक जिम्मा प्राधिकार क सचिव आ ट्रैफिक एसपी कए सौंपल गेल अछि। प्राधिकार नगर निगम कए निर्देश देलक अछि जे ओ नगर सेवा क बस क लेल जल्द स जल्द स्टाप निर्धारित करए।

भागलपुर कए भेट सकैत अछि मेगा फूड पार्क

भागलपुर । केंद्रीय खाद्य आ प्रसंस्करण मंत्री सुबोध कांत सहाय कहलथि अछि जे ओ बिहार कए मेगा फूड पार्क देबाक कोशिश मे लागल छथि। सहाय क अनुसार भागलपुर मे खाद्य प्रसंस्करण क हब बनबाक पूरी संभावना अछि। किया की स्थानीय स्तर पर मक्का, केला, आम, कतरनी चाउर आ कई अन्य तरकारी क प्रचुर मात्रा मे पैदा हेबाक अलावा दुमका, पूर्णिया, कटिहार आ खगड़िया सेहो एहि ठाम स लग अछि। जतय कई प्रमुख फसल क पैदावार प्रचुर मात्रा मे होइत अछि। ओ सीआईआई द्वारा खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय क सहयोग स आयोजित निवेशक सम्मेलन मे बाजि रहल छलाह। ओ कहला जे पूर्णिया द्वारा पैदा कैल जा रहल बेबी कॉर्न क मांग पूरा दुनिया मे अछि मुदा स्थानीय किसान कए एकर लाभ नहि भेट पाबि रहल अछि। ओ कहला जे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लगेला पर पांच साल तक आयकर नहि वसूलल जाएत। ओ कहला जे हुनकर मंत्रालय एहि उद्योग क स्थापना क लेल निजी उद्यमी कए 50 लाख टका, कोल्ड चेन क स्थापना पर 10 करोड़ आ मेगा फूड पार्क क स्थापना पर 50 करोड़ तक क सब्सिडी प्रदान करि रहल अछि।

ओ कहला जे देश मे दोसर हरित क्रांति

अनबाक प्रधानमंत्री क सपना बिहार स पूरा होएत। ओ कहला ले राज्य सरकार कए सेहो खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क लेल नई नीति बनेबाक चाही

सहाय एहि अवसर पर सबौर मे प्रस्तावित कृषि विश्वविद्यालय मे खाद्य प्रसंस्करण तकनीक सिखेबाक क्षेत्रीय कार्यालय खोलबाक घोषणा सेहो केलथि। एकर जरिए डिप्लोमा आ डिग्री कोर्स कैल जा सकैत अछि। एकर पूरा व्यवस्था केंद्र सरकार करत।

एहि मौका पर भागलपुर क सांसद आ पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन कहला जे बंटवारा क बाद राज्य मे केवल खेती योग्य जमीन बचल अछि, एहन मे एहि जमीनक भरपूर उपयोग सूबा क विकास लेल करबाक चाही। बिहार क पूर्व विधानसभाध्यक्ष सदानंद सिंह सेहो एहि अवसर पर मौजूद छलाह।

युवा कांग्रेसक अनुकरणीय पहल

बिहार प्रदेश युवक कांग्रेस पहिल बेर एकटा तर्कसंगत, विधिमान्य आ पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया अपनाकए अपन अध्यक्ष , उपाध्यक्ष (कुमार आशीष) आओर कार्यकारिणी क 9टा सदस्य चुनलक। राज्य क 40सो लोकसभा क्षेत्र क लेल अध्यक्ष आ कार्यकारिणी सदस्य क चुनाव सेहो भेल। मतदान क प्रक्रिया राजधानी क संजय गांधी स्टेडियम मे शांतिपूर्वक संपन्न भेल।

अधिकतर दल मे नेतृत्व क लेल चुनाव क जरिए विभिन्न पद पर नियुक्ति करब आसान नहि रहि गेल अछि। मनोनयन स काज चलाउल जा रहल अछि। एहन मे युवक कांग्रेस क ताजा चुनाव एकटा नजीर अछि। एकर पाछु कांग्रेस क युवा सांसद आ महासचिव राहुल गांधी क साफ दृष्टि अछि, जे चुनाव आयोग क सलाहकार रहि चुकल केजे राव कए संगठनात्मक चुनाव क दायित्व सौंपने छथि। हुनकर प्रयोग सबस पहिने पंजाब मे सफल रहल। दोसर प्रयोग बिहार मे कामयाब रहल। राज्य मे कांग्रेस भले पिछला किछु साल स सत्ता स बाहर अछि आ एकर ताकत क आकलन नव स कैल जा रहल अछि, मुदा एकर युवा इकाई संगठन मे नई ऊर्जा भरबा क अनुकरणीय बाट अपनेलक अछि।

बिहार प्रदेश युवक कांग्रेस पहिल बेर एकटा तर्कसंगत, विधिमान्य आ पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया अपनाकए अपन अध्यक्ष , उपाध्यक्ष (कुमार आशीष) आओर कार्यकारिणी क 9टा सदस्य चुनलक। राज्य क 40सो लोकसभा क्षेत्र क लेल अध्यक्ष आ कार्यकारिणी सदस्य क चुनाव सेहो भेल। मतदान क प्रक्रिया राजधानी क संजय गांधी स्टेडियम मे शांतिपूर्वक संपन्न भेल। एहि संगठनात्मक चुनाव मे मुख्य चुनाव आयुक्त बनलाह सांसद विजेन्द्र सिंगला, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी क सचिव आ युवक कांग्रेस क सह प्रभारी जितेन्द्र सिंह आदि स्वयं मौजूद रहिकए एहि पर नजर रखलथि। केंद्र आ देश क सातटा राज्य (बिहार छोड़ि कए) मे सत्तारूढ़ दल क युवा इकाई राजनीतिक रूप स संवेदनशील एहि प्रदेश मे जाहि तरह स अपन संगठनात्मक चुनाव करेलक, ओ फिलहाल मुख्यधारा क सबटा दल क लेल एकटा माडल (आदर्श) अछि।

जखन एक-दूटा राज्य मे सरकार चलेबा लेल क्षेत्रीय दल क कार्यकर्ता सम्मेलन मे लोक उग्र भ रहल अछि, तखन कल्पना कैल जा सकैत अछि जे यदि ओ संगठनात्मक चुनाव कराबथि त कौन स्थिति पैदा होएत।

जखन एक-दूटा राज्य मे सरकार चलेबा लेल क्षेत्रीय दल क कार्यकर्ता सम्मेलन मे लोक उग्र भ रहल अछि, तखन कल्पना कैल जा सकैत अछि जे यदि ओ संगठनात्मक चुनाव कराबथि त कौन स्थिति पैदा होएत। विधान सभा चुनाव स पहिने जाहि परिस्थिति मे टिकट पेबा लेल आकांक्षा क विस्फोट सर्वदलीय रूप ल चुकल अछि आ विभिन्न दल कए पार्टी क मंच पर कार्यकर्ता क उबाल, असंतोष आ तामसक सामना करै पड़ि रहल अछि, ओहि स लगैत अछि जे काडर आधारित पार्टी क लेल सेहो अनुशासन कायम राखब कठिन भ गेल अछि। निश्चित रूप स कांग्रेस क इ पहल बिहार में पार्टी के लोकप्रिय नेता देबाक संग-संग राज्य कए नव छवि प्रदान करत।

कन्वेंशन सेंटर निर्माण कए मुहर

बोधगया (गया) । मगध विश्वविद्यालय परिसर मे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर निर्माण क सपना आब साकार होएत। सेंटर निर्माण क लेल राज्य सरकार आ राजभवन अपन मुहर लगा देलक अछि। कन्वेंशन सेंटर निर्माण क लेल आब ग्लोबल टेंडर क प्रक्रिया शुरू होएत। एकर संगहि मगध विश्वविद्यालय देश क पहिल एहन विश्वविद्यालय बनि गेल अछि जतए विदेशी पूंजी क निवेश होएत। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप क आधार पर बनैवाला एहि कन्वेंशन सेंटर क कंसल्टेंट आईएलएफएस कए बनाउल गेल अछि। जे सेंटर निर्माण क लेल ग्लोबल टेंडर आमंत्रित करत। विवि क विकास पदाधिकारी कान्तेश कुमार सिन्हा कहलथि जे कन्वेंशन सेंटर निर्माण क लेल परिसर स्थित विद्युत सब ग्रिड क समीप 25.2 एकड़ भूखंड तीस वर्ष क लीज पर उपलब्ध कराउल गेल अछि। एकर एवज मे विवि कए प्रथम चरण मे 5 करोड़ आ प्रतिवर्ष 83 लाख टका प्राप्त होएत। ओ कहला जे 2.5 सौ करोड़ क लागत स निर्मित कन्वेंशन सेंटर मे 1 हजार क्षमता क अत्याधुनिक सुविधायुक्त एक हाल, 5 सौ क्षमता क एकटा अन्य हाल, 6 बोर्ड कमरा, जाहि मे 240 व्यक्ति क रहबाक क्षमता, 2 सौ सामान्य कमरा, 1 सौ फाइव स्टार क सुविधावाला कमरा आ मार्केट काम्प्लेक्स होएत। ओ कहला जे हाल मे बहुआयामी अनुवाद वाला यंत्र क संग-संग अंतरराष्ट्रीय स्तर क सबटा सुविधा मौजूद रहत।

सरकार करत दरभंगा राज किला क अधिग्रहण

पटना। ऐतिहासिक विरासत समेटे दरभंगा राज किला क सरकार अधिग्रहण करबाक तैयारी मे अछि। मकसद एहि पुरातात्विक महत्व क भवन क संरक्षण-संवर्धन अछि। सरकारी स्तर पर दरभंगा राज किला आ अहिल्या स्थान कए संरक्षित क्षेत्र घोषित करबाक कार्रवाई चलि रहल अछि। कला आ संस्कृति विभाग क अनुसार हाल मे विभाग आ पुरातत्व निदेशालय क संयुक्त बैठक मे दरभंगा राज किला कए बिहार प्राचीन स्मारक आ पुरातात्विक स्थल, अवशेष आओर कला निधि अधिनियम 1976 क उप धारा 12 क आलोक मे अधिग्रहण क प्रस्ताव बढ़ेबा पर सहमति बनल अछि। सरकार किला मे अतिक्रमण आ बेजा तरीका स सम्पत्ति क खरीद-फरोख्त पर विराम लगेबाक प्रयास मे अछि। सरकार क चिंता राज्य मे पसरल एहन तमाम पुरातात्विक महत्व क स्थल कए लकए अछि। हाल मे सरकार पैघ संख्या मे एहन स्थल कए संरक्षित घोषित केलक अछि। सबटा संरक्षित पुरास्थल कए सोलर लाइट स जगमग करबाक योजना अछि। कला संस्कृति सचिव एकरा लेल विभाग क इंजीनियरिंग सेल कए इ निर्देश देलथि अछि जे सबटा पुरास्थल पर सोलर लैंप क आवश्यकता क गणना करैत अनुमानित लागत क प्रस्ताव पठेबा लेल ब्रेडा स अनुरोध कैल जाए। काज जल्द हुए एकरा लेल व्यक्तिगत संपर्क कैल जाए। रोशनी क संग हर पुरातात्विक महत्व क स्थल-स्मारक क सुंदरीकरण क लेल बागवानी, सफाई आ एकर रखरखाव क काम आउटसोर्सिंग क जरिए करेबाक निर्णय सेहो लेल गेल अछि।

भेटत लोकक स्नेह : आनंद देव

मुंबई । ककरो यदि बिना कोनो अभिनय अनुभव कए फिल्म मे काज करबाक मौका भेट जाए त एकरा की कहल जा सकैत अछि? शायद एकरे किस्मत या भाग्यवाला कहल जा सकैत अछि। बिहार क मधेपुरा क रहनिहार आनंद देव कहियो नहि सोचने छलाह जे ओ फिल्मी पर्दा पर जेताह। मॉडलिंग क दुनिया स अभिनय सिखलाक बाद फिल्मी पर्दा पर आयल देव क पिताजी सिंदरी फर्टिलाइजर मे छलाह। देवक जन्म सेहो सिंदरी मे भेल अछि। हाल मे हुनकर अभिनय स सजल भोजपुरी फिल्म प्यार बिना चैन कहां रे रिलीज भेल अछि, जेकरा लोक सब खूब पसिन केलक अछि। एहि संबंध में देव क कहब अछि जे ओ एहि स बेहद खुश छथि आ ओ कहला जे आगू एहि स्नेह कए बचेबा लेल ओ एहि स नीक काज करैत रहताह। ओ कहला, एकटा नव कलाकार क रूप मे निश्चित तौर पर इ विश्वास नहि छल जे हमरा एतबा लोकक स्नेह भेटत, मुदा हम काज पूरा मन लगा कए केने रही। ओना हमर मानब अछि जे कोनो फिल्म क सफलता टीम वर्क पर निर्भर होइत अछि। फिल्म क हर पार्ट नीक होइत अछि, तखने लोक ओकरा पसीन करैत अछि, कहानी नीक छल, जे लोकक दिल मे उतरि गेल। ओ कहला जे मॉडलिंग क दौरान एहि फिल्म क निर्माता अनंजय रघुराज हमरा देखलाह। ओकर बाद ओ हमरा फिल्म प्यार बिना चैन कहां रे क एकटा चरित्र अमर क रोल देलथि। देव कहला जे हुनकर दू टा नव फिल्म क शूटिंग जल्द शुरू होएत। एकटा अछि राजकुमार-असलम खान क साइकिल वाला गुंडा आ दोसर आनंद सिंह क चंचली।

आब टिसन पर भ रहल अछि मैथिली मे उद्घोषणा

स्टेशन अधीक्षक श्रीराम मेमो सं. एस/एमडीएच/2010 द्वारा मैथिली मे उद्घोषणा प्रारंभ करबाक निर्देश देलथि अछि।

मधुबनी। आखिरकार मिथिला विकास परिषद, कोलकता क प्रयास स मधुबनी रेलवे स्टेशन पर मैथिली भाषा मे उद्घोषणा शुरू भ गेल। 31 जुलाई कए रेलवे स्टेशन पर यात्री क सुविधा क मांग सहित मैथिली भाषा मे उद्घोषणा क मांग कए लकए रेलवे अधीक्षक यूएनराय क घेराव परिषद क सदस्य सब केने छलाह। जेकर बाद समस्तीपुर रेल मंडल क मुख्य सहायक वाणिज्य व्यवस्थापक एएस जायसवाल स फोन पर आंदोलनकारी क गप भेल आ एक तारीख स मैथिली मे उद्घोषणा कए स्वीकृति भेटला पर स्टेशन अधीक्षक श्रीराम मेमो सं. एस/एमडीएच/2010 द्वारा मैथिली मे उद्घोषणा प्रारंभ करबाक निर्देश देलथि अछि। आब उम्मीद कैल जा रहल अछि जे जल्द मिथिला मे अवस्थित आन टिसन पर सेहो मैथिली मे उद्घोषणा शुरू भ जाएत।

ठेका खेती कए बढ़ावा देत बिहार सरकार

पटना। देश क अलग-अलग हिस्सा मे ठेका पर भ रहल खेती क फायदा एक देखैत बिहार सरकार सेहो आब एहि मे मुनाफा क फसल काटब चाहैत अछि। एकरा लेल राज्य सरकार आब ठेका पर खेती कए बढ़ावा देबाक रणनीति बनेबा मे जुटल अछि। सरकार आब एकरा लेल निवेशक ताकि रहल अछि। राज्य क कृषि उत्पादन आयुक्त आ कृषि विभाग क प्रधान सचिव अशोक कुमार सिन्हा कहला- हमर योजना एहि तरीका कए राज्य मे बढ़ावा देबाक अछि। हम एहि मे कोनो तरह क भागीदार नहि बनब मुदा हम किसान क उत्पाद क लेल एकटा सुनिश्चित बाजार मुहैया करेबा लेल प्रयासरत छी। हम हर जिला कए एकटा खास कृषि उत्पाद क क्लस्टर क रूप मे विकसित करै चाहैत छी। मिसाल क तौर पर हम पटना मे पपीता आ फूलों, अरवल मे परवल, वैशाली मे केरा, मुजफ्फरपुर मे लीची, दरभंगा मे आम, मधुबनी मे पान, सीतामढ़ी मे हल्दी, नालंदा मे मशरूम आ पूर्वी चंपारण मे लहसुन क खेती कए बढ़ावा द रहल छी। अगर इ योजना सफल रहल त दो-तीन साल मे किसान एहि फसल क खेती मे विशेषज्ञता हासिल करि लेताह। राज्य सरकार एहि योजना कए सफल बनेबा लेल आईएल ऐंड एफएस से मदद मंगलक अछि। इ कंपनी पहिने स बिहार सरकार कए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र क विकास मे मदद करि रहल अछि। कृषि विभाग क अधिकारी क कहब अछि जे राज्य सरकार 21 अगस्त कए पटना मे निवेशक क एकटा सम्मेलन आयोजित करवा रहल अछि। एहि सम्मेलन मे देश भरि स 200 निवेशक हिस्सा लेताह। संगहि राज्य सरकार आब गोदाम आओर प्रोसेसिंग यूनिट क निर्माण पर सेहो जोर द रहल अछि। सरकार भंग भ चुकल बिहार राज्य कृषि उत्पाद विपणन परिषद क जमीन कए सेहो एहि काज लेल देबाक फैसला केलक अछि।

अंक- 46, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com